<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2025

अंक-योजना

हिंदी 'आधार' विषय कोड—302

प्रश्न-पत्र कोड-- 2/7/1, 2/7/2, 2/7/3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है । इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा-प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है । इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना BNS के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है ।

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर-पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ, जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (X) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. पूर्णतः गलत उत्तर को काटकर शून्य (0) अंक दें । एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो, तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में, अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ पर की गई प्रविष्टि सही हो तथा प्राप्तांकों को अंकों और शब्दों दोनों में लिखें।

14. परीक्षार्थी निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के अधिकारी हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

Series WYX7Z प्रश्न-पत्र कोड 2/7/1, 2/7/2, 2/7/3

अंक योजना

हिंदी 'आधार'(302)

प्रश्न सं.	2/7/1	2/7/2	2/7/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	(18)
1	**1**	**2**	**1**	**अपठित गद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(10)
	(i)	(i)	(i)	(D) जब समझ से सीखा और अभ्यास किया जाए	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(A) रचनात्मकता बहुत सारी सूचनाओं के होने से आती है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	• प्राप्त सूचनाओं और ज्ञान को पूर्व ज्ञान से जोड़ नया आकार देने की कोशिश से	1
	(v)	(v)	(v)	• उम्र बढ़ने के साथ संज्ञानात्मक कौशल और स्मरण शक्ति का कमजोर पड़ना • उम्र बढ़ने के साथ भी नया सीखने और पुराने को याद रखने की दिमागी क्षमता का होना	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• पारंपरिक तरीकों में मानवीय रिश्तों में विद्यमान प्यार व हमदर्दी की भावना होना, आधुनिक तरीकों में इनका अभाव • पारंपरिक तरीकों में स्थायित्व, आधुनिक तरीकों में भटकाव	2
	(vii)	(vii)	(vii)	• डिजिटल कॉपी की अपेक्षा किताबों को पढ़ना • समय-समय पर चीज़ों को दोहराना • चुनौतीपूर्ण कार्यों को करना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
2	**2**	**1**	**2**	**अपठित पद्यांश** पर आधारित बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न -	(8)
	(i)	(i)	(i)	(A) देश की युवाशक्ति को	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) निराशा	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(B) मस्तक	1

	(iv)	(iv)	(iv)	• एकाग्रता से लक्ष्य का निर्धारण	1
	(v)	(v)	(v)	• व्यवस्था की जड़ता • राष्ट्र और समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता	2
	(vi)	(vi)	(vi)	• व्यवस्था की जड़ता, राष्ट्र और समाज में व्याप्त रूढ़िवादिता को तोड़ने की • ध्यान केंद्रित कर लक्ष्य का संधान करने की • राष्ट्रीय एव सामजिक एकता बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील होने की • संघर्ष द्वारा विजय प्राप्त करने की (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
				खंड - ख **(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)**	(22)
3	**3**	3	3	दिए गए विषयों में से किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख- • आरंभ – 1 अंक • विषय-वस्तु – 3 अंक • भाषा – 1 अंक • प्रस्तुति – 1 अंक	6**x**1= 6
4	**4**	**4**	**4**	किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित-	(4**x**2 =8)
	(i)	-	-	• आत्मनिर्भर होकर लिखित रूप में अभिव्यक्ति का अभ्यास नहीं होने से • अभिव्यक्ति के लिए उपयुक्त भाषा-शैली एवं शब्द-संपदा का अभाव	2
	(ii)	-	-	• श्रव्य माध्यम • सीमित अवधि • अधिक पात्रों को याद रख पाना कठिन (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

	(iii)	-	-	• विषय-विशेष की तकनीकी शब्दावली से युक्त गहन विश्लेषण • किसी निश्चित लेखन-शैली का न होना	2
	(iv)	-	-	• पूर्णकालिक पत्रकार – स्थायी, नियमित वेतन भोगी • अंशकालिक पत्रकार – अस्थायी, निश्चित मानदेय पर काम करने वाला	2
	(v)	-	-	• विचारपरक लेखन का एक प्रमुख रूप • स्वतंत्र, निष्पक्ष लेखन जिसमें लेखक को विषय चुनने और विचारों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता	2
	-	(i)	-	• नया और अलग सोचने-विचारने की क्षमता का ह्रास • लिखित अभिव्यक्ति की क्षमता का विकसित न हो पाना	2
	-	(ii)	-	तात्पर्य- • चल रहे कार्यक्रमों के बीच किसी बड़ी और महत्त्वपूर्ण ख़बर को तत्काल दर्शकों तक पहुँचाया जाना • कम से कम शब्दों में केवल सूचना दिया जाना (कोई एक बिंदु अपेक्षित) माध्यम- • इलैक्ट्रॉनिक	1+1
	-	(iii)	-	• साफ-सुथरी और टंकित कॉपी • डबल स्पेस में लिखा जाना • कठिन, भ्रामक, द्विअर्थी और लंबे शब्दों का प्रयोग वर्जित • एक से 10 तक के अंकों को शब्दों में, 11 से 999 तक अंकों में तथा उससे आगे शब्दों में लिखना • संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचना (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

	-	(iv)	-	• मनुष्य की एकाग्रता की अवधि सीमित • श्रोताओं का बंधन में (कैपटिव ऑडिएंस) न होना	2
	-	(v)	-	• पहले चार ककार (क्या, कौन, कब और कहा) - सूचनाओं और तथ्यों पर • अंतिम दो ककार (कैसे और क्यों) - विवरणात्मक, व्याख्यात्मक और विश्लेषणात्मक पहलुओं पर	1+1
	-	-	(i)	• लेखन की निश्चित शैली का न होना • विषय और व्यक्ति की प्रकृति के अनुरूप लेखन में विविधता • एक ही विषय पर विभिन्न कोणों से विचार (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(ii)	• रेडियो नाटक केवल श्रव्य माध्यम, रंगमंचीय नाटक दृश्य-श्रव्य • रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या एवं समय सीमित, रंगमंचीय नाटक इससे मुक्त • रेडियो नाटक में मंच-सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, वस्त्र सज्जा और पात्रों की भाव-भंगिमाएँ आदि संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से जबकि रंगमंचीय नाटकों में अनिवार्य (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
	-	-	(iii)	क्या- • किसी घटना, समस्या या मुद्दे आदि पर समाचारपत्र की अपनी राय दायित्व- • संपादकीय समूह पर	1+1
	-	-	(iv)	• लेखन और संपादन में सुविधा • आकर्षक, ग्राह्य, संक्षिप्त, सीमित समय और स्थान के कारण	2

	-	-	(v)	● संवाददाता : सामान्य घटना अथवा समाचार (बीट) को कवर करने वाला ● विशेष संवाददाता : विशिष्ट क्षेत्र या विषय पर गहन जानकारी और विश्लेषण के साथ विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाला	2
5	**5**	5	5	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में अपेक्षित-	(2**x**4 =8)
	(i)	(i)	(i)	● अभिनय के माध्यम से मंच पर नाटक की प्रस्तुति, कहानी का कहा या पढ़ा जाना ● नाटक में लेखक, निर्देशक, पात्र, दर्शक, श्रोता एवं अन्य लोगों से जुड़ाव, कहानी का संबंध केवल लेखक और श्रोता/पाठक से ● नाटक में मंच सज्जा, ध्वनि, प्रकाश व्यवस्था आदि अनिवार्य, कहानी में नहीं ● नाटक की प्रस्तुति अनिवार्यतः संवादों के माध्यम से, कहानी में संवाद सीमित ● नाटक में द्वंद्व अधिक, कहानी में अपेक्षाकृत कम (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
	(ii)	(ii)	(ii)	किसे- ● गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर तैयार की गई रिपोर्ट प्रकार – ● खोजी रिपोर्ट – मौलिक शोध और छानबीन के जरिए ऐसी सूचनाएँ या तथ्य सामने लाना जो सार्वजानिक तौर पर उपलब्ध न हो ● इन-डेप्थ रिपोर्ट - सार्वजानिक तौर पर उपलब्ध सूचनाओं, तथ्यों, आँकड़ों की गहरी छानबीन के आधार पर किसी घटना, समस्या या मुद्दे से जुड़े महत्त्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाना ● विश्लेषणात्मक रिपोर्ट - किसी घटना या समस्या से जुड़े तथ्यों के विश्लेषण और व्याख्या पर जोर ● विवरणात्मक रिपोर्ट – किसी घटना या समस्या के विस्तृत और बारीक विवरण को प्रस्तुत करना	1+3

	(iii)	(iii)	(iii)	● सरल, सहज और आम बोलचाल की भाषा ● छोटे वाक्यों का प्रयोग ● संकेत चिह्नों का प्रयोग वर्जित ● कठिन, भ्रामक, द्विअर्थी और लंबे शब्दों का प्रयोग वर्जित ● एक से 10 तक के अंकों को शब्दों में, 11 से 999 तक अंकों में तथा उससे आगे शब्दों में लिखना ● संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचना (कोई चार बिंदु अपेक्षित)	4
				खंड – ग **(पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित)**	(40)
6	**6**	**6**	**6**	**'पठित काव्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	**(5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) वातावरण में नमी	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(A) सूर्योदय के ठीक पहले के पल-पल परिवर्तित प्रकृति का शब्द-चित्र	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(B) 1 – (ii), 2 – (i), 3 – (iii)	1
	(v)	(v)	(v)	(B) आकाश में सूर्योदय के हो जाने से	1
7	7	7	7	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	**(2x**3 =6)
	(i)	(i)	(i)	● शारीरिक चुनौती झेलने वाले व्यक्ति से पूछे जाने वाले असंवेदनशील प्रश्न ● अपेक्षित भाव-भंगिमा लाने का निर्देश ● निर्धारित समय में पीड़ा बताने का निर्देश ● मनवांछित सफलता न मिलने की खीझ (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3
	(ii)	(ii)	(ii)	● निश्छल बच्चों की भावना-कल्पनाओं का कपास की तरह निर्मल, कोमल होना ● पतंग उड़ाते बच्चों की चंचलता एवं गतिशीलता के कारण	3

	(iii)	(iii)	(iii)	क्यों- ● पेट की अग्नि से विवश हो मानव द्वारा नैतिक-अनैतिक, धर्म-अधर्म के बारे में विचार न करना किस प्रकार- ● राम रूपी घनश्याम (मेघ) के कृपा-जल से विचार से सहमति - (परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	1+1+ 1
8	8	8	8	**'पद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	चिड़िया की उड़ान- ● चिड़िया और कविता दोनों का उड़ान भरना ● चिड़िया का पंखों के सहारे उड़ान भरना, कविता में कवि की कल्पनाओं और भावनाओं की उड़ान ● चिड़िया की उड़ान सीमित, कविता में कल्पना की उड़ान असीमित (कोई एक बिंदु अपेक्षित) फूलों का खिलना - ● कविता के समान ही खिले फूलों में भी सौंदर्य, कोमलता एवं आनंद ● फूलों का सौंदर्य अल्पकालीन, कविता अनंत जीवन और आनंद से युक्त ● खिलकर मुरझा जाना फूलों की नियति, किंतु सदैव नए अर्थ ग्रहण कर कालजयी बने रहना कविता का स्वभाव (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	**1+1**
	(ii)	(ii)	(ii)	अर्थ- ● बात का प्रभावहीन हो जाना परिणाम- ● कथ्य का भाषा में उलझ कर रह जाना ● कविता का स्वाभाविक विकास अवरुद्ध होना आदि (कोई एक बिंदु अपेक्षित)	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	● शोषित वर्ग में नवीन क्रांति का प्रतीक होना ● साहस एवं उत्साह का संचार ● पूँजीपतियों में भय व्याप्त होना आदि (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2

9	9	9	9	**'पठित गद्यांश'** पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर -	**(5x**1 =5)
	(i)	(i)	(i)	(B) बाज़ार की चकाचौंध से बचने के लिए	1
	(ii)	(ii)	(ii)	(C) जो अपनी ज़रूरत के अनुसार ही खरीददारी करता है	1
	(iii)	(iii)	(iii)	(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।	1
	(iv)	(iv)	(iv)	(A) 1 – (ii), 2 – (iii), 3 – (i)	1
	(v)	(v)	(v)	(A) आवश्यकताओं को समझ बाज़ार का उपयोग करें	1
10	**10**	10	10	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) –	**(2x**3 **=6)**
	(i)	(i)	(i)	क्यों- • बाह्य परिवर्तनों के बीच भी अविचलित बने रहना • विपरीत परिस्थितियों के बीच भी सरस बने रहना • कोमल और कठोर, दोनों भावों का एक साथ निर्वहन (कोई दो बिंदु अपेक्षित) प्रेरणा- • विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य एवं संयम धारण कर अविचल जिजीविषु बने रहने की	2+1
	(ii)	(ii)	(ii)	विभीषिका – • चारों तरफ निस्तब्धता और अंधकार का वातावरण होना • सियारों, कुत्तों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज • हैजे से पीड़ित गाँव वालों की कराहटें (कोई दो बिंदु अपेक्षित) चुनौती- • ढोलक की आवाज़ का ताल ठोककर ललकारना	2+1
	(iii)	(iii)	(iii)	• भक्तिन का स्वेच्छा से काम करना • कभी-कभी महादेवी जी की आज्ञा की अवहेलना करना • सेविका होने के बजाए संरक्षिका का भाव रखना • दोनों के बीच आत्मीयता का संबंध (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	3

11	11	11	11	**'गद्य खंड'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) –	(**2x**2 =4)
	(i)	(i)	(i)	• कालिदास- शिरीष के फूल का कोमल होना, केवल भ्रमरों के पदों के दबाव को ही सहन कर पाना, पक्षियों के भार को नहीं • लेखक - शिरीष का सब-कुछ कोमल न होना, नए फूलों के निकल आने पर भी इसके मज़बूत फलों का अपना स्थान न छोड़ना	2
	(ii)	(ii)	(ii)	अर्घ्य – • देवी-देवताओं को जल अर्पित करना क्यों- • ऋषि-मुनियों की परंपरा से प्रभावित जीजी द्वारा इसे त्याग, दान और पानी की बुवाई मानना	1+1
	(iii)	(iii)	(iii)	• सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति • समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम • साथियों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	2
12	12	12	12	**'पूरक पाठ्य पुस्तक'** पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर (लगभग 100 शब्दों में) –	(**2x**5 =10)
	(i)	-	-	क्यों- • भूषण द्वारा घर की जिम्मेदारी उठाने की बात न कहने के कारण • पिता की चिंता की बजाए लोक-लज्जा को प्राथमिकता देने के कारण • पारिवारिक संबंधों से अधिक धन को महत्त्व देने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	2+3
	(ii)	-	-	• पिता की इच्छा के विरुद्ध माँ और दत्ता जी राव की सहायता से • मराठी शिक्षक सौंदलगेकर से प्रभाव ग्रहण कर • खेती-बाड़ी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखना • सहपाठियों द्वारा तंग करने पर भी हौसला रखना	2+3

				• परिश्रम के महत्त्व को समझने के कारण (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (प्रश्न के दूसरे भाग के लिए परीक्षार्थी के तर्कपूर्ण उपयुक्त मुक्त उत्तर स्वीकार्य)	
	(iii)	-	-	• समाजपोषित सत्ता • हथियारों की बजाए औजारों को प्रमुखता • महल, पिरामिड, मूर्ति पूजा, राजतंत्र का आडंबरयुक्त प्रदर्शन नहीं • लो प्रोफाइल सभ्यता • विशाल अन्नागार एवं स्नानागार सामूहिकता के परिचायक	5
	-	(i)	-	• सहकर्मियों के साथ मिलनसार • किशनदा के आदर्शों के अनुरूप व्यवहार • सबके साथ रहते हुए भी सम्मानजनक दूरी • व्यवस्थित और प्रसन्नचित होकर कार्य करना • आधुनिक विचारधारा और फैशन के लोग, कम पसंद • सहकर्मियों की छोटी-मोटी धृष्टता की अनदेखी (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	(ii)	-	• परस्पर आत्मीयता का भाव • मराठी शिक्षक न.वा. सौंदलगेकर द्वारा लेखक को प्रोत्साहित करना • अन्य कक्षाओं में बुलाकर लेखक द्वारा कविता पाठ कराना • लेखक को कविता लेखन की बारीकियाँ समझाना • लेखक द्वारा स्व-रचित कविताओं में सुधार हेतु शिक्षक के घर जाना • मराठी शिक्षक की शैली से प्रभावित होकर अनुकरण करना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	(iii)	-	• व्यक्ति केंद्रित शासन का प्रमाण न मिलना • हथियारों की बजाए औजारों को प्रमुखता • भव्य राज-प्रासाद, मंदिर, राजाओं-महंतों की समाधियों का न मिलना	5

				• विशालता के स्थान पर कला की भव्यता दिखाई देना • लो प्रोफाइल सभ्यता • विशाल अन्नागार एवं स्नानागार सामूहिकता के परिचायक (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	
	-	-	(i)	• नदी के किनारे बसा सुव्यवस्थित नगर • वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण • कुएँ खोदकर भू-जल तक पहुँचने वाली विश्व की पहली ज्ञात संस्कृति • सामूहिक स्नान के लिए बने स्नानागार • जल-संरक्षण का उत्कृष्ट प्रबंध • जल-निकासी की समुचित व्यवस्था • उन्नत एवं सुनियोजित नालियों की व्यवस्था • हर घर में स्नानागार का होना • कुंड के पानी से रिसाव के लिए, अशुद्ध पानी अंदर आने से रोकने के लिए कुंड के तल में और दीवारों पर पक्की ईंटों से चूने और चिरोड़ी के गारे से चिनाई (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5
	-	-	(ii)	• कठिन परिस्थितियों से हार न मानकर संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की कथा • पाठशाला जाने के लिए अपनी माँ और दत्ता जी राव के सहयोग से पिता को मनाना • खेतों में काम करते हुए भी आनंदा का अपनी पढ़ाई जारी रखना • सहपाठियों द्वारा उड़ाई जाने वाली खिल्ली को सहन करना • सद्व्यवहार से अध्यापकों एवं सहपाठियों का दिल जीतना • खेतों में काम करते हुए कविता लेखन के शौक को पूरा करना (कोई पाँच बिंदु अपेक्षित)	5

	-	-	(iii)	कारण- • आधुनिकता की पक्षधर • नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप खुद को ढालने में सक्षम • संतान की प्रत्येक बात में सहमति • फैशनपरस्त (कोई दो बिंदु अपेक्षित) प्रतिक्रिया- • 'शानयल बुढ़िया', 'चटाई का लहँगा' या 'बूढ़ी मुँह मुँहासे, लोग करें तमासे' कहकर पत्नी के विद्रोह को मज़ाक में उड़ा देना • पत्नी की आधुनिकता को पसंद न करना • पत्नी की फैशनपरस्ती से चिढ़ना • 'समहाउ इंप्रॉपर' कहते हुए असहमति व्यक्त करना (कोई तीन बिंदु अपेक्षित)	2+3